P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-8* ISSUE-5* January- 2021
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर के शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन करना

To Study of Teachers Accountability of Teacher At Elementary School Level

Paper Submission: 15/01/2021, Date of Acceptance: 26/01/2021, Date of Publication: 27/01/2021

दिनेश कुमार यादव
छात्र
शिक्षापीठ
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय,
हरियाणा, भारत

सारांश

आज के समय में शिक्षा जीवन का अहम हिस्सा बन गया है 21 वी सदी में राष्ट्र के महत्वपूर्ण कार्य शिक्षा के द्वारा आसानी से संभव हो जाता है तथा राष्ट्र को एक अलग पहचान बनाने में शिक्षा अहम हिस्सा निभाती है। शिक्षा के द्वारा बच्चे प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक लगातार प्रयासरत रहते हैं साथ ही उचित समाधान निकालने का एक अच्छे तरीका ही प्राप्त करते है। जवाबदेही से आशाएं मनुष्य के नैतिकता पर विचार करना है इसका उपयोग अक्सर जवाबदेही, दायित्व, जिम्मेदारी, के रूप में ऐसे विचारों के साथ किया जाता है। प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन करना है।

In today's time, education has become an important part of life, in the 21st century, the important work of the nation is easily made possible through education and education plays an important part in making the nation a separate identity. Children from primary level through education Strive continuously to a higher level, as well as obtain a good way of finding the right solution. Expectations from accountability are to consider the morality of man. It is often used with such ideas as accountability, obligation, responsibility, submission. The research paper aims to study the accountability of upper primary school teachers.

मुख्य शब्द : प्राथमिक विद्यालय, शिक्षकों की जवाबदेही, नैतिकता ।
Primary School, Accountability of Teachers, Ethics.

प्रस्तावना

मनुष्य एक समाज का सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है जिसमें कभी भी कहीं भी किसी भी चीज के प्रति निर्णय लेने और सोचने समझने की प्रति गुण मौजूद होते हैं प्रारंभ में बच्चे के प्राथमिक अध्यापक उसके अपने मां–बाप होते हैं तथा उसके पश्चात विद्यालय ही उस बच्चे का परिवार होता है जहां वे सभी के साथ मिलजुल कर पढ़ते हैं, खेलते हैं, साथ ही वहां अलग–अलग व्यक्तियों के द्वारा शिक्षण प्राप्त करते है।

प्राथमिक शिक्षा बच्चे की शिक्षा की प्रथम अवस्था मानी जाती है जिससे कि बच्चे का भविष्य आसानी से बन सके प्राथमिक शिक्षा बच्चे की रीड की हड्डी के समान है जहां बच्चे अपने विद्यालय में अलग–अलग चीजे सीखते हैं तथा उसे अपने जीवन में सुधारने की कोशिश करते हैं साथ ही उसी दौरान वह विद्यालय में अलग–अलग संस्कृतियों से भी परिचित होते है।

शिक्षक की जवाबदेही होती है कि वह बच्चे को प्राथमिक अवस्था में अच्छी शिक्षा प्रदान करें तथा वह भी भिन्न भिन्न चीजों से अवगत कराएं ताकि वह किसी भी चीजों को आसानी से सीख सकें प्राथमिक शिक्षा के समय बच्चे की आयु लगभग 6 से 14 साल की होती है उस समय बच्चे को प्राथमिक शिक्षा प्रदान किया जाता है तथा उस समय बच्चे के लिए सबसे अहम समय होता है ताकि वह जीवन की आधारभूत संरचना प्रदान कर सकें उस समय बच्चे के पास ना तो इतनी समझ होती है और ना ही ज्यादा भाषा की जानकारी होती है तथा ना ही उनके पास से कोई व्यक्तिगत कौशल होती है ताकि किसी भी चीज को आसानी से कर सकें प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार के द्वारा अच्छी वेतन सरकारी स्कूल के शिक्षकों को दिया जा रहा है साथ ही अन्य सभी प्रकार

के भत्ते भी प्रदान किए जा रहे हैं उसके बावजूद भी अभी भी सरकारी स्कूल के बच्चे को अच्छी शिक्षा उपलब्ध होने में कठिनाई हो रही है, इसलिए शोधकर्ता के मन में यह प्रश्न बना कि उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर के शिक्षकों की जवाबदेही के प्रति काम करू।

शिक्षक ही एक ऐसा महान व्यक्ति है जो अपनी तकनीकी कौशल के बल पर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बदल देते हैं शिक्षक अपने अध्यापन कौशल केबल पर अपने विषय में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए साथ ही छात्रों की छोटी–छोटी समस्याओं और उन्हें जरूरत के हिसाब से शिक्षा देनी चाहिए ताकि वह किसी भी चीज को अच्छी तरह से समझ सके और नई जानकारी प्रदान कर सके क्योंकि किसी भी राज्य या देश का उसके शिक्षा प्रणाली पर ही निर्भर करती हैा वही शिक्षक जो नौकरी के प्रति जवाबदेह होते हैं जिनके उनका पास विभिन्न प्रकार के कौशल क्षमता मौजूद होते हैा

शिक्षक की भूमिका और इसका महत्व जवाबदेही कई अर्थों के साथ नैतिकता और शासन की अवधारणा है। यह नियमित रूप से कर्तव्य जवाबदेही दायित्व के रूप में ऐसे विचारों के साथ समान रूप से उपयोग किया जाता है। 2008 में यूजीसी की अत्याधुनिक वेतन निर्धारण समिति ने प्रोफेसर जी .के.चड्डा ने स्कूल के कमरे की कोचिंग में नियमितता ट्यूटोरियल बनाए रखने सत्र के लिए छात्रों की उपलब्धता संकाय बैठकों में भाग लेने हमारे अध्ययन का मार्गदर्शन करने और खेलकूद और अन्य अकादमिक खेलों जैसे सेमिनार, कार्यशाला और अन्य में भाग लेने जैसे कई मापदंडों का समर्थन किया। शिक्षकों के शैक्षणिक कर्तव्य का आकलन करने के समान समय पर ध्यान देना। किसी भी क्षेत्र में व्यावसायिकता लोगों की ओर से कर्तव्य की मात्रा का एक अंतिम परिणाम है।

शिक्षक शब्द अंग्रेजी के टीचर शब्द का हिंदी रूपांतरण है जिसका अर्थ होता है कि शिक्षक एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अध्यापन के कार्य को करते हैं तथा छात्र को सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को सहजता से जोड़ते है। भारत में शिक्षक को गुरु माना गया है क्योंकि गुरु ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बच्चे को अपनी शिक्षा प्रदान करके उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचा देते हैा शिक्षा के बल पर छात्र अपने मां– –पिता के साथ–साथ समाज का नाम भी रौशन करते है तथा शिक्षक हमेशा से अपने छात्र को मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश करते है और उनके दिए गए मार्गदर्शन को हमेशा के लिए सही मानता है।

शिक्षक विद्यार्थी की हर गलती को क्षमा करके उसे दूर करने की कोशिश करते हैं तथा उन्हें हर समय मार्गदर्शन प्रदान करते हैं जिससे कि वह अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके साथ ही भविष्य में एक अच्छी और योग्य शिक्षक बन सके वही आदर्श शिक्षक का कहलाते है। शिक्षक को हमेशा से ही भगवान के रूप में देखा गया है जो बच्चे के जीवन में प्रकाश को प्रज्वलित करता है जो बच्चे की अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर कर उसे आगे की ओर अग्रसर प्रदान करता है तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायता करता है।

शोध का महत्व

आज का दिन बहुत ही आधुनिक है इस युग में दिन प्रतिदिन अनेक शोध हो रहे हैा इसके उपरांत शोधकर्ताओं के मन मे शिक्षक की जवाबदेही से संबंधित एक प्रश्न बना हैा उसके उपरांत शोधकर्ता के मन में उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन करने की जिज्ञासा हुई द्य शोधकर्ता के अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य यह जानना है कि उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षक की जवाबदेही क्या हैा शिक्षक अपने जवाबदेही को पूरा करते हैं, कि नहीं उनका काम ठीक ढंग से होगा तथा शिक्षक का काम ठीक ढंग से होगा तो विद्यालयों की सारी आवश्यकता अनुरूप सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे एवं बालकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा सकेंगे । शिक्षण एक ऐसा पेशा है जो जिसमें समाज का शैक्षिक विकास निर्भर करता है। पेशेवर शिक्षक को अपने व्यवसाय के प्रति जबाबदेह होना जरूरी है क्योंकि एक अच्छे और सफल समाज का निर्माण तभी हो सकता है जब एक जवाबदेही शिक्षक को अपने पेशे के प्रति, समाज के प्रति, छात्रों के प्रति, शिक्षा प्रणाली के प्रति, संस्था के प्रति जिम्मेदार होना होगा द्य इसलिए शोधकर्ता ने उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षकों की जवाबदेही के अध्ययन विषय को चुना हैा

प्रयुक्त संप्रत्ययों की कार्यात्मक परिभाषा(Operational Definitions Of Terms Used)

निम्नलिखित संप्रत्य पर आधारित हैं:–

1. शिक्षक की जवाबदेही
2. पेशेवर जवाबदेही
3. सामाजिक जवाबदेही
4. कक्षा शिक्षण के प्रति जवाबदेही
5. प्रधानाचार्य की जवाबदेही:
6. विद्यार्थियो के प्रति जबाबदेही
7. संगठन के प्रति जवाबदेही

अध्ययन का उद्देश्य

1. प्राथमिक विद्यालय स्तर पर पुरुष और महिला शिक्षकों की जवाबदेही का तुलनात्मक अध्ययन करना
2. प्राथमिक विद्यालय ं स्तर के ग्रामीण और शहरी शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन करना

शोध की परिकल्पना

1. जवाबदेही के प्रयोग के प्रति पुरुष और महिला शिक्षकों के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. जवाबदेही के प्रयोग के प्रति शहरी और ग्रामीण शिक्षक शिक्षिकाओं की अभिवृत्ति के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं

शोध की परीसीमाएं

प्रस्तुत अनुसंधान अध्ययन में केवल महेंद्रगढ़ शहर के सरकारी उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों को सम्मिलित किया गया हैा प्रस्तुत अध्ययन में केवल पी.आर. टी.स्तर पर कार्यरत अध्यापकों को सम्मिलित किया गया हैा प्रस्तुत अध्ययन में केवल 40 पुरुष तथा 40 महिला शिक्षक को सम्मिलित किया गया प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में डॉ. पी. के शर्मा (2008) द्वारा निर्मित अध्यापक कार्य जवाबदेही का प्रश्नावली उपयोग किया गया है। प्रस्तुत उपकरण के माध्यम से विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों कार्य के प्रति जवाबदेही से संबंधित प्रमाणिक जानकारी प्राप्त हो सकती है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं परिणाम

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर पुरुष और महिला शिक्षकों की जवाबदेही का तुलनात्मक अध्ययन करना

न्यायदर्श	N	Mean	Sd	t-Value	Remarks
पुरुष	40	152.4	16.03	2.34	Null Hypothesis Accepted
महिला	40	142.2	22.21		

प्रस्तुत शोध में न्यायदर्श के रूप में केवल केवल हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिला के महेंद्रगढ़ प्रखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन किया गया परिणाम स्वरुप यह पाया गया कि पुरुष और महिला शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन मे कोई सार्थक अंतर नहीं है इसका कारण यह भी है कि आज का समय बहुत आधुनिक है इस समय में पुरुष और महिला साथ मिलकर हर किसी काम को अच्छे ढंग से करते हैं एक अच्छे समाज का निर्माण तभी संभव हो सकता है जब और महिला दोनों मिलकर उस काम को सार्थक पूर्वक करेंगे शिक्षकों की जवाबदेही पेशे के प्रति ,समाज के प्रति, कानून के प्रति ,कक्षा कक्ष शिक्षण के प्रति, अपने विद्यालय के प्रति, आदि बहुत सारे कार्य को करने के लिए होता है उच्च प्राथमिक विद्यालय स्तर पर पुरुष और महिला शिक्षक शिक्षकों की जवाबदेही अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

उच्च प्राथमिक स्तर पर शहरी और ग्रामीण सरकारी स्कूल के शिक्षकों की जवाबदेही

न्यायदर्श	N	Mean	S Sd	t-Value	Remarks
ग्रामीण शिक्षक	40	142	16.17	0.20	Null Hypothesis Accepted
शहरी शिक्षक	40	146	23.17		

प्रस्तुत अध्ययन में हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिला के महेंद्रगढ़ प्रखंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जवाबदेही का अध्ययन किया गया इसके अंतर्गत 10 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों की जवाबदेही से संबंधित प्रश्नावली के अनुरूप अपना मकतब प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का विश्लेषण के फल स्वरुप या प्रतिफल प्राप्त हुआ कि ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों की जवाबदेही मे नहीं कोई सार्थक अंतर नहीं है क्योंकि आजकल जो सुविधाएं शहरी क्षेत्रों में दिए जाते हैं वही सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों को भी दिया जाता है साथ ही अभी के समय में सरकार के द्वारा सभी प्रकार की सुख सुविधाएं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बराबर दिए जाते हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक अपना काम अच्छे ढंग से कर सकें उच्च प्राथमिक विद्यालय ने जितनी जवाबदेही के साथ शहरी क्षेत्र के शिक्षक शिक्षिकाओं अपना कार्य कर रहे हैं उतनी ही जवाबदेही के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक भी करते हैं क्योंकि सभी का कार्य छात्र एवं छात्राओं को को पढ़ाना और स्कूल की व्यवस्थाएं को दुरस्त करना साथ ही समाज मे होने वाले को दूर करना है।

शोध के निष्कर्ष, परिणाम, शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव

प्रस्तुत शोध में प्राप्त आंकड़ों के परिणाम स्वरूप के आधार पर यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों की जवाबदेही में कोई ज्यादा अंतर नहीं है क्योंकि जितनी जवाबदेही के साथ पुरुष शिक्षक अपना कार्य कर रहे हैं ठीक उतनी ही जवाबदेही के साथ महिला शिक्षक शिक्षिका भी अपना कार्य कर रही है चाहे शिक्षा शिक्षण की बात हो या खेलकूद संबंधित हो या स्कूल संचालन की बात हो दोनों का अपने अपने तरीके से अहम रोल है ।

शिक्षकों के कार्य के प्रति जवाबदेही के अध्ययन के आधार पर ग्रामीण शिक्षक एवं शहरी शिक्षक ने कोई सार्थक अंतर नहीं है शोधकर्ताओं ने शिक्षकों के कार्य के प्रति जवाबदेही के अध्ययन किया परिणाम स्वरुप यह पाया कि ग्रामीण शिक्षक एवं पुरुष शिक्षक दोनों अपने जगह पर अपने तरीके से जवाबदेही के साथ अपना कार्य कर रहे हैं क्योंकि जितनी मेहनत या लगन से शहरी स्कूल के बच्चे को पढ़ाने मे लगता है उतना ही मेहनत ग्रामीण स्कूल के बच्चे को भी देना पड़ता है साथी दोनों स्कूल के बच्चे को सरकार के द्वारा चलाए गए सुविधाएं भी सम्मान प्राप्त होती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिले के पांच प्रखंड में से महेंद्रगढ़ प्रखंड को यादृच्छिक न्यादर्श के रूप में चुना गया जिसमें से केवल 10 राज्यकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को चुना गया था इसके पश्चात उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की जवाबदेही से संबंधित अध्ययन हेतु उपयुक्त माने माननीयकृत प्रश्नावली का प्रयोग कर आकड़े एकत्रित किया गया परिणाम स्वरूप पाया गया कि हरियाणा के उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक की जवाबदेही संबंधित अध्ययन में पुरुष शिक्षक और महिला शिक्षक में ज्यादा अंतर नहीं है क्योंकि आज का समाज में बदलाव देखने को मिल रहा है सभी लोग पुरुष और नारी को एक समान देखने लगे हैं किसी भी क्षेत्र की बात की जाए चाहे वह शिक्षक हो या कोई अन्य सभी में पुरुष और नारी को समान अधिकार दिया जा रहा है एक विद्यालय में जितनी जवाबदेही के साथ पुरुष शिक्षक अपना कार्य कर रहे हैं ठीक उतने ही जवाबदेही के साथ महिला शिक्षक भी अपना कार्य कर रही है साथ ही वे बच्चे के सभी प्रतियोगिता परीक्षा खेलकूद या संस्था के किसी अन्य कार्य में अपनी भागीदारी निभा रही है।

शोधकर्ता ने शोध के उद्देश्य से संबंधित ग्रामीण तथा शहरी शिक्षक की जवाबदेही में कोई अंतर नहीं है इससे स्पष्ट होता है कि जितनी जवाबदेही के साथ ग्रामीण शिक्षक कार्य कर रहे हैं ठीक उतने ही जवाबदेही के साथ शहरी शिक्ष भी कार्य करते हैं क्योंकि दोनों के

वेतनमान में भीकोई अंतर नहीं है साथ ही सरकार के द्वारा दिए गए सुविधाएं दोनों को एक जैसा ही मिलता है।

शैक्षिक निहितार्थ

1. शिक्षक की सबसे प्रमुख जवाबदेही होती है कि वह बच्चे की पढ़ाई के साथ साथ उन्हें खेलकूद या अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं में या शामिल करवाना चाहिए जिससे कि उनका पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक मानसिक विकास हो सके ५
2. शिक्षकों को समय–समय पर उन्हें अपने विषय से संबंधित नए–नए तरीके या नई नई विषय वस्तु से अवगत कराना चाहिए जिससे कि वह अपने कक्षा के साथ–साथ अपने शिक्षण कौशल को विकसित कर सके और कक्षा संचालन को और आसान बना सके द्य
3. शिक्षक की कार्य यह भी होती है कि वह बच्चे को केवल पढ़ाई के ऊपर ध्यान न देकर उससे संबंधित प्रोजेक्ट काम पर भी ध्यान दिलवाना चाहिए जिससे कि वह नई नई चीजों को आसानी से सीख सके ५
4. शिक्षक के ऊपर किसी भी उच्च पदाधिकारी या अन्य किसी भी लोगों का दबाव नहीं होना चाहिए जिससे कि वह कथा कक्षा संचालन करने में असहज महसूस कर सके और वह बच्चे को अच्छी शिक्षा नहीं प्रदान कर सके जिससे शिक्षक अपने मूल कार्य नहीं कर पाएंगे ५
5. शिक्षक की मुख्य जवाबदेही होती है कि वह अपने शिक्षण विषय को उचित समय के अंदर पूरा करें ताकि उस वर्ग के बच्चे को किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े ताकि वह अपने परीक्षा के दौरान किसी भी काम को आसानी से कर सके साथी व आगे की पढ़ाई सही समय पर आसानी पूर्वक कर सकें ५ शिक्षकों को केबल उन्हें शिक्षक से संबंधित कार्य की जवाबदेही देनी चाहिए जिससे कि वह अपने कार्यों को आसानी से कर सके ताकि उन्हें आगे अन्य किसी काम का बोझ महसूस ना है।

References

1. *Contrell, Robert P., et al "Study an teachers Knowledge attitudes, Classroom teaching as Correlaties of student Achivements journal of Educational psychology, Amercian psychology Association. 1977, 69 ,2, p- 172*
2. *Ryans, D.G" Assessment of teacher behaviour and Insructios", Review of Educational Research, 1963, p -33-34*
3. *Kundsen, C.W. et al "An analysis of 57 devices for rating teaching Peabody J. ed.p.15-25. July 1931-Encyclopedia of educational Research Monvere, W.s Revised edition 1941, p- 1947*
4. *Palmar, G.H. "The Teacher, Houghton Miffli Co., Boston, 1908, pp- 3-30, Quosted by adaval, S.B "Quality of teachers, Allahabad Amittabh Prakashan, 1979, p.41*
5. *Attarwala, P. (2015, Aug to sep). A Study of Teachers' Accountability in Relation to Teachers Professionalism of Primary Schools of Kadi. International Journal of Research in Humanities & Soc. Sciences [I.F. = 0.564], Vol. 3(Issue: 8). Retrieved 01 10, 2021, from file:///C:/Users/Dinesh/Downloads/IJRHS_2015_vol03_issue_08_08.pdf*
6. *Kanika. (2016), jan - March). Teachers' Accountability: Key To Quality Education. International Journal of Advanced Research in Education & Technology (IJARET), Vol. 3(1). Retrieved 01 1, 2021, from http://ijaret.com/wp-content/themes/felicity/issues/vol3issue1/kanika.pdf*